वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380
वर्ष :3 अंक : 265 सोमवार 22 जनवरी 2024
दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia
प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राममय हुआ भारत

प्रभु श्रीराम अपनी नगरी अयोध्या में विराजमान होकर अब अपने भक्तों को जल्द ही दर्शन देंगे। आज सोमवार को वो दिन है जब रामलला की मूर्ति अपना सही स्थान लेगी। देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया बेसब्री से इस पल के इंतजार में है। आज भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों रामलला की प्रतिमा उनके सही स्थान पर विराजमान की जाएगी। रामनगरी में सनातन संस्कृति के स्वर्णिम कालखंड का साक्षी बनने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विमान सुबह साढ़े दस बजे के करीब उस एयरपोर्ट पर उतरेगा, जिसका नामकरण रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के नाम पर है। यहां से भी वह हेलीकाप्टर से साकेत महाविद्यालय के हेलीपैड पर उतरेंगे, जहां से सड़क मार्ग से दोपहर 11 बजे राम जन्मभूमि परिसर में प्रवेश करेंगे।

मानव सेवा के लिए समर्पित रहा स्वर्गीय कपूर चंद्र जैन का जीवन : नरेंद्र सिंह तोमर

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष स्वर्गीय कपूर चंद्र जैन की पुण्यतिथि श्री टेकचंद जैन विद्यापीठ परिसर में सेवा दिवस के रूप में मनाई गई इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर विशेष रूप से मौजूद रहे उन्होंने स्वर्गीय कपूर चंद्र जैन को श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि सभा में भाग लेकर श्री भक्तांबर महा स्त्रोत पाठ का वाचन कर भगवान आदिनाथ से जगत कल्याण विश्व शांति की कामना की, सभा मे विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष जिनेश जैन सहित बड़ी संख्या में मौजूद राजनैतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने स्वर्गीय कपूरचंद जैन को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया। वही एक डाक्यूमेंटरी के माध्यम से स्वर्गीय जैन के जीवन मूल्यों और समाज सेवा में दिए गए योगदान को बताया गया।

विद्वत्परिषद् जयपुर महानगर का शपथग्रहण समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वत्परिषद् की जयपुर महानगर इकाई का शपथग्रहण समारोह श्री टोडरमल स्मारक भवन में सानन्द सम्पन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी मिलापचंद डण्डिया, सभाध्यक्ष- डा.शांतिकुमार पाटिल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डा.अखिल बंसल व परमात्म प्रकाश भारिल्ल उपस्थित थे । मंगलाचरण आकिंचन्य पुजारी ने किया । डॉ. शान्तिकुमार पाटिल ने विद्वत्परिषद् का संक्षिप्त इतिहास बताते हुए इस वर्ष को तत्त्वार्थसूत्र वर्ष मनाने तथा उसकी रूपरेखा पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय महामंत्री डा.अखिल बंसल ने जयपुर महानगर कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के नाम की घोषणा की जिन्हें मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार मिलापचंद डण्डिया ने निष्ठा एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई व विद्वत्परिषद् द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। विशिष्ट अतिथि परमात्म प्रकाश भारिल्ल ने विद्वत्परिषद् के विस्तार को शुभ लक्षण बताते हुए जयपुर महानगर में शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में विद्वत्परिषद् की महती भूमिका निरूपित की। मनोनीत अध्यक्ष पण्डित कैलाश चंद मलैया ने सभी विद्वान साथियों से विद्वत्परिषद् का सदस्य बनने का आव्हान करते हुए महानगर के भावी कार्यक्रमों से अवगत कराया। अंत में दिवंगत भव्यात्माओं पण्डित रवीन्द्र जी आत्मन अमायन एवं प्रो. बी. एल. सेठी जयपुर को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई एवं नौं बार णमोकार मंत्र का पाठ कर मौन रहकर कल्याण एवं शान्ति की भावना की गई। सभा का संचालन मनोनीत महासचिव डा.भागचंद जैन ने किया ।शपथ लेने वालों में अध्यक्ष पं.कैलाशचंद मलैया,उपाध्यक्ष- डा.महिमा वासल्ल, महासचिव -डा.भागचंद जैन, संयुक्त सचिव आदर्श जैन, कोषाध्यक्ष श्रीमंत नेज,सचिव- श्रीमती शैल बंसल सहित कार्यकारिणी के 21 सदस्य थे। अध्यक्ष द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ सभा विसर्जित की गई। - **डॉ. अखिल बंसल महामंत्री**

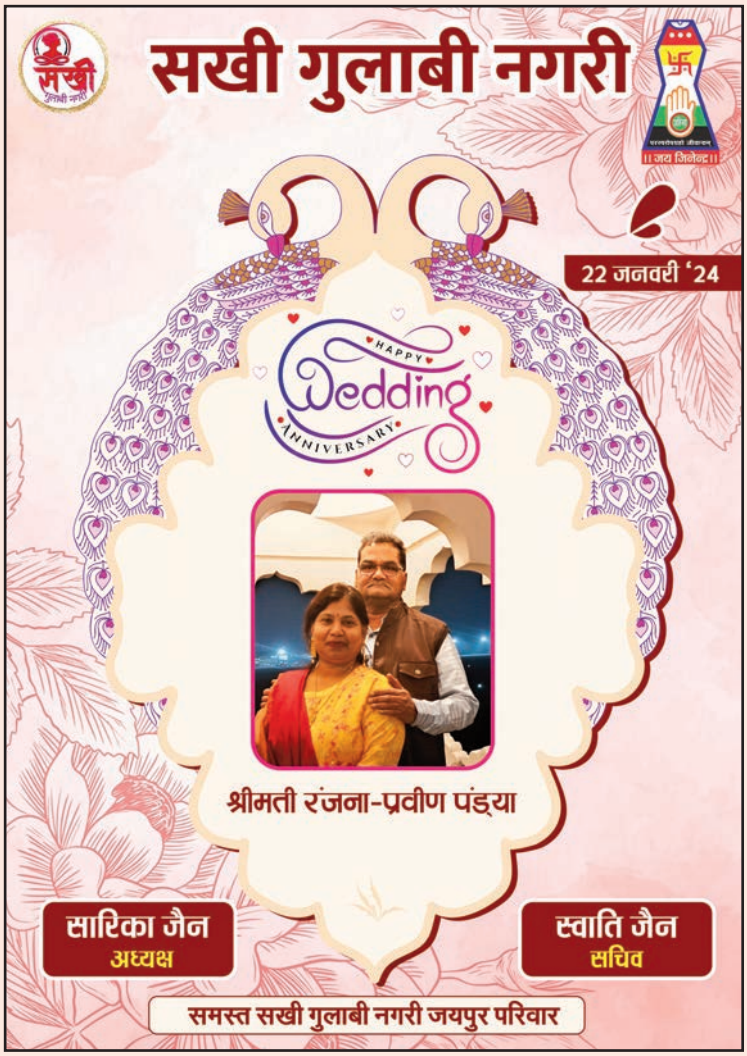

आचार्य नवीन नंदी गुरुदेव का 22वां दीक्षा दिवस मनाया

भगवान ऋषभदेव की हुई पालकी यात्रा

बगरू, जयपुर. शाबाश इंडिया। प्राचीन ऋषभ देव मंदिर, दहमी कलां में आचार्य नवीन नंदी गुरुदेव का 22 वा दीक्षा दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री जी का अभिषेक अमित जैन परिवार एवं शांतिधारा मुकेश जैन निर्वाण नगर द्वारा की गई और बाद में अष्ठ द्रव्य से पूजा हुई। संचालक पंडित डा विमल कुमार जैन ने बताया इस अवसर पर आदिनाथ भगवान की पालकी यात्रा पूरे गांव में निकाली गई। इसमें चार परिवारों ने पालकी उठाई और चार लोगों ने चंवर लिए। पूरे गांव ने श्री जी की आरती उतारी और साथ में परिक्रमा की। अध्यक्ष कुलदीप चौधरी व मंत्री प्रमोद बाकलीवाल ने बताया कि इस भव्य आयोजन में प्रताप नगर, बरकत नगर, राधा विहार,मान सरोवर,बगरू,एवं जयपुर जैन समाज ने भाग लिया। प्रबंध समिति के रमेश ठोलीया मनोज पाटनी ने बताया इस कार्यक्रम में गुरु पूजा, पाद प्रक्षालन महावीर मनोज संजीव सुशीला पाटनी परिवार ने किया,आरती सतीश अकेला परिवार और बरकत नगर समाज ने किया,शास्त्र भेंट मौलिक जैन, व राधा विहार कॉलोनी ने किया और वात्सल्य भोज कुलदीप मधु आशीष चौधरी परिवार बगरू द्वारा किया गया।

अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महामुनिराज के प्रवचन से...

उदगांव. शाबाश इंडिया

भारत गौरव साधना महोदधि सिंहनिष्क्रिड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का महाराष्ट्र के ऊदगाव का ऐतिहासिक चौमासा चल रहा है इस दौरान प्रवचन में बताया कि अयोध्या में श्री राम मन्दिर की स्थापना का अर्थ हैः आदमी से इन्सान और इन्सान से आचरण की स्थापना..! अयोध्या जिसे जैन धर्म और दर्शन की सनातन परम्परा तीर्थंकरों की जन्म भूमि के रूप में, सदियों से पूजती आ रही है, इसलिए जन जन की आराधना स्थली है। जहाँ पाप, ताप सन्ताप रूपी शत्रु आत्मा में प्रवेश नहीं कर सकते, वह अयोध्या है। श्री राम के जन्म स्थान पर विराटत्व की आराधना के निमित्त, भव्यातिभव्य श्राम मंदिर अयोध्याश का भारत के यशस्वी प्रधान मन्त्री नरेन्द्र मोदी जी के मुख्य यजमानत्व में लोकार्पण, भारतीय मानस की आस्था की वह प्रणाममय अभिव्यक्ति है जो जाति, धर्म, सम्प्रदाय की समस्त बाधाओं से परे, मनुष्यत्व के उत्कर्ष को समर्पित है। इस महा मांगलिक और ऐतिहासिक क्षण की हम अनुमोदना करते हैं। श्री राम -- उदार हैं, गुणवान हैं, सरल हैं, पवित्र हैं, कोमल हैं, दयालु हैं, माधुर्य से परिपूर्ण हैं, अविचल हैं, समदर्शी हैं, उपकारी हैं, पराक्रमी हैं, दिव्य गुणों की खान हैं, गुणों के भण्डार हैं। श्री राम वन गमन का आदेश मिलने पर, पिता के वचनों की रक्षा के लिये कभी भी, कहीं भी मान मयार्दा का अतिक्रमण नहीं करते हैं। पिता दशरथ या माता कैकेई के विरुद्ध एक शब्द भी नहीं कहते, क्योंकि मर्यादा उन्हें सिर्फ प्रिय ही नहीं बल्कि उनके जीवन का अभीष्ट भी था। उनके स्वभाव में क्षमा, शौर्य, करुणा, शील, सदाचार के सौन्दर्य का मणिकांचन योग उनके चरित्र का वह उज्जवल पक्ष है जो उनके मित्रो को ही नहीं, शत्रुओं को भी मन्त्र मुग्ध कर देता है। भारतीय चेतना के कण-कण में राम, जन-जन के मन में श्री राम, और यत्र तत्र सर्वत्र भी है श्री राम। वे स्थितप्रज्ञ, असंपृक्त, अनासक्त, और एक ऐसे नायक, जिसमें सत्ता के प्रति निरासक्ति का भाव है। वह जिस सत्ता के पालक हैं, उसे छोड़ने के लिए सदा तैयार हैं। श्री राम जाति वर्ग से परे हैं। सभी को साथ ले चलने वाले नीति कुशल न्याय प्रिय राजा थे। श्री राम का नायकत्व कोई सुपरमैनशिप नहीं है, लेकिन वह तो उनकी अपार ऊर्जा का सम्यक समन्वय और सन्तुलन है। श्री राम साध्य हैं साधन नहीं। राम का चरित्र, राम की शक्ति, भारतीय संस्कृति की चिरन्तन चिन्तन की चेतना का निरूपण और मयार्दाओं का विश्लेषण है। श्री राम मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा जन-जन की श्रद्धा के साथ-साथ अध्यात्म और सद्भावना का केन्द्र और भारतीय सामाजिक संस्कृति के नव प्रवाह का उद्गम स्थल बने। इन युगान्तकारी क्षणों की अन्तर्मन से अन्तर्मना की अनुमोदना और अनन्त शुभसंशाओ सहित निर्विघ्न सम्पन्न होने की प्रार्थना...!!!

संकलन कर्ता कोडरमा मीडिया प्रभारी जैन राज कुमार अजमेरा,जैन मनीष सेठी

जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अधिवेशन का भव्य समापन

शीतल तीर्थ, रतलाम. शाबाश इंडिया

मध्य प्रदेश के श्री दिगंबर जैन धर्मस्थल शीतल तीर्थ धामनोद, रतलाम मध्यप्रदेश में जैन पत्रकार महासंघ (रजि.) के तत्वावधान में राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया की अगुवाई में जैन पत्रकार महासंघ के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का 21 जनवरी को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ समापन हुआ। पत्रकार राजाबाबू गोधा ने बताया कि क्षेत्र पर विराजित आर्यिका रत्न 105 सौहार्द मति माताजी , क्षेत्र की प्रमुख अधिष्ठात्री ब्रह्मचारिणी सविता दीदी के पावन सानिध्य में प्रातः शीतल तीर्थ धाम में श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा के बाद जैन धर्म के दूसरे तीर्थंकर अजित नाथ भगवान के ज्ञान कल्याणक महोत्सव का जयकारों के साथ सामूहिक रूप से अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। कार्यक्रम में जैन पत्रकार महासंघ के संरक्षक डा. अनुपम जैन इंदौर, जैन संदेश के सम्पादक एडवोकेट अनूप चंद जैन फीरोजाबाद,राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया, उपाध्यक्ष राजेन्द्र जैन महावीर सनावद,मंत्री उदयभान जैन, प्रचार प्रसार मंत्री महेन्द्र बैराठी, कमल ठोलिया चेन्नई अध्यक्ष पंचकल्याणक शीतल तीर्थ धाम, नरेंद्र रारा संयोजक पंचकल्याणक शीतल तीर्थ धाम,मनीष जैन चाणक्य वार्ता पत्रिका उदयपुर, मनोज सोनी पंजाब केसरी चितौडगढ , सुरेश गांधी अहिंसा क्रांति नौगांवा, साधना मादावत रंगशाला प्रोडक्शन इंदौर,चानी काला ज्योतिषाचार्य बोम्बे, अमित शाह बागड़ दूत पत्रिका बांसवाड़ा, जैन गजट के प्रकाश पाटनी भीलवाड़ा, रविन्द्र काला बूंदी,राजस्थान पत्रिका कोटा से पारस जैन,जन समाचार एवं अहिंसा क्रांति के अभिषेक लुहाड़िया रामगंज मंडी,निलेश जैन मन्दसौर,डा.सुबोध मरोरा स्वतंत्र पत्रकार इंदौर, पंकज सेठ अध्यक्ष अतिशय क्षेत्र आनंदेश्वर पार्श्वनाथ, राकेश जैन बड़ोदरा, देवपुरी वंदना पत्रिका के राकेश -प्रतिभा सोनी इंदौर ,पल्लीवाल जैन पत्रिका के सुरेंद्र प्रकाश जैन जयपुर , सुनील -निधी जैन पूर्व विधायक सागर आचरण हिन्दी दैनिक समाचार के प्रबन्धक, सन्मति वाणी इंदौर पत्रिका की डाक्टर सुशीला सालगिया तथा जैन महासभा के जैन गजट संवाददाता राजाबाबू गोधा फागी मोजूद थे। उक्त कार्यक्रम पत्रकार महासंघ के मुख्य समन्वयक हंसमुख गांधी इंदौर की अगुवाई में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, कार्यक्रम में हंसमुख गांधी ने अवगत कराया कि आचार्य योगेन्द्र सागर जी महाराज की यह पूज्यनीय पीठ है उन्ही की पावन प्रेरणा से इस क्षेत्र का उदय हुआ है, विकास हुआ है,क्षेत्र पर 22 फरवरी से होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव पर सभी पत्रकारों को हम आमंत्रित करते हैं और सभी को पंचकल्याणक महोत्सव में धर्म लाभ प्राप्त करना है। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबु गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में प्रथम पुरष्कार सुशीला जैन सालगिया को सोहनलाल गांधी स्मृति पत्रकारिता पुरष्कार से सम्मानित किया गया जिसमें स्मृति चिन्ह भेंट कर 11000/ रूपए का चैक प्रदान किया गया तथा राजेंद्र. के.गोधा स्मृति पत्रकारिता द्वितीय पुरष्कार भीलवाड़ा के जैन गजट संवाददाता प्रकाश पाटनी को स्मृति चिन्ह भेंट कर 11000/ रूपए का चैक प्रदान किया गया।कार्यक्रम में महामंत्री उदयभान जैन ने महासंघ का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम बाद संघ के महामंत्री उदयभान जैन ने भारतवर्ष के अनेक प्रांतो से आये हुए सभी पत्रकारों सहित सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

वेद ज्ञान

विचार ऊर्जा का महत्व

विचार एक ऊर्जा (एनर्जी) है, जो मनुष्य के अंतःकरण में प्रकट होती है। जिस प्रकार मन के विकार से काम, क्रोध, लोभ आदि मनोवेग पैदा होते हैं, उसी प्रकार मन के विकार से विचार भी पैदा होता है। अभी तक हम विचार को भाव समझते रहे हैं, जिसका कोई अर्थ नहीं माना जाता था। हम यही समझते थे कि हवा के झोकों की तरह कुछ बात मन में उठती है और सागर की लहर की तरह विलीन हो जाती है। अब तक सागर की लहर को भी ऊर्जा नहीं माना जाता था, लेकिन अब यह बात सिद्ध हो चुकी है कि सागर की लहर में अपार ऊर्जा है। विचार मन का वेग है। जिस प्रकार काम, क्रोध के वेग से मनुष्य का व्यक्तित्व प्रभावित होता है, उसी प्रकार विचार के वेग से मनुष्य का संपूर्ण व्यक्तित्व प्रभावित होता है, लेकिन हमें उसका अनुभव नहीं है। ऐसा इसलिए, क्योंकि ऐसी संवेदनशीलता अभी तक हमने पैदा नहीं की है। हमारा सेंस ऑर्गेन इतना संवेदनशील नहीं है कि विचार की उत्पत्ति के मूल स्रोत को जान सकें। इसलिए हमें पता नहीं चलता कि मन में विचार कहां से उत्पन्न होता है और कहां चला जाता है। विज्ञान अब पूरी तरह मानने लगा है कि विचार एक ऊर्जा है और बहुत ही शक्तिशाली ऊर्जा है। यह वेगवान भी है जो किसी भी वस्तु को आसानी से प्रभावित कर सकता है। पदार्थ एक स्थूल वस्तु है और विचार एक अतिसूक्ष्म ऊर्जा। इसीलिए वैज्ञानिकों का मानना है कि इसे अदृश्य और सूक्ष्म ऊर्जा से पदार्थ को आसानी से प्रभावित किया जा सकता है। हाल ही में रूस के वैज्ञानिकों ने प्रयोग करके सिद्ध कर दिया है कि विचार के परमाणु पदार्थ के परमाणु को आसानी से प्रभावित कर देते हैं। विचार के परमाणु में वेग अधिक होता है और पदार्थ का परमाणु किसी स्थूल वस्तु में छिपा रहता है। इसलिए उसमें वेग कम होता है। शायद इसीलिए आइंस्टीन ने कभी कहा था कि जो पदार्थ तुम देखते हो, वह तरंग है, ऊर्जा है, क्योंकि पदार्थ की अंतिम परिणति ऊर्जा है। पदार्थ से ही ऊर्जा बनती है और ऊर्जा से ही पदार्थ बनता है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। विज्ञान कहता है कि ऊर्जा का नाश नहीं किया जा सकता, उसका रूपांतरण हो सकता है। तब तो स्पष्ट हो गया कि काम, क्रोध आदि मन से उत्पन्न विचार पूर्ण रूप से ऊर्जा हैं। वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि विचार से पदार्थ को प्रभावित किया जा सकता है।

संपादकीय

विद्यार्थियों को अंधी प्रतियोगिता में हांकना खतरनाक...

पूरे देश में कोचिंग केंद्रों की एक समांतर शिक्षण व्यवस्था कायम है, जिस पर कोई तय नियम-कायदा लागू नहीं है। इसी का नतीजा है कि ये केंद्र अपने कारोबारी होड़ में न सिर्फ बढ़-चढ़ कर दावे करते, झूठे और भ्रामक प्रचार-प्रसार करते, बल्कि विद्यार्थियों को अंधी प्रतियोगिता में हांक देते हैं। इसके चलते विद्यार्थियों के मनोबल पर बुरा असर देखा जा रहा है। उनमें खुदकुशी की प्रवृत्ति बढ़ रही है। कोचिंग केंद्रों में विद्यार्थियों के लिए बुनियादी

सुविधाओं, सुरक्षा उपायों तक का ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा जाता। बहुत सारे कोचिंग संस्थान तंग गलियों, छोटे-छोटे कमरों में चलाए जा रहे हैं, जहां किसी हादसे की स्थिति में बचाव का कोई इंतजाम नहीं होता। कुछ जगहों पर आग लगने से विद्यार्थियों की जान जाने का जोखिम पैदा हो गया। इनमें पढ़ाने वाले अध्यापकों की योग्यता का भी कोई मानक तय नहीं होता। ऐसे संस्थान न केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराते, बल्कि स्कूली शिक्षा, बोर्ड परीक्षा आदि में अच्छे अंक और रैंक दिलाने का दावा करते हुए भी चलाए जाते हैं। इस तरह प्राथमिक कक्षाओं के बाद ही बहुत सारे विद्यार्थी कोचिंग केंद्रों के आकर्षण में फंसते देखे जाते हैं। इन्हीं शिकायतों के मद्देनजर अब शिक्षा मंत्रालय ने कोचिंग संस्थानों को विनियमित करने का प्रयास किया है। शिक्षा मंत्रालय ने दिशा-निर्देश जारी किया है कि कोई भी कोचिंग केंद्र सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों को दाखिला नहीं देगा। अगर कोई ऐसा करता है, तो उस पर एक लाख रुपए तक का जुमार्ना लगाया जाएगा। इसके साथ ही वे अच्छे अंक या रैंक दिलाने के भ्रामक दावे भी नहीं कर सकेंगे। इन केंद्रों में स्नातक से कम योग्यता वाले अध्यापकों की नियुक्ति नहीं की जा सकेगी। ये दिशा-निर्देश एक तरह से कोचिंग केंद्रों पर कानूनी शिकंजा कसने की मंशा से दिए गए हैं। देखने की बात है कि कोचिंग केंद्र इनका कितना पालन करते हैं। दरअसल, कोचिंग केंद्र व्यवस्थित शैक्षणिक संस्थानों के समांतर एक धंधे के रूप में विकसित हुए हैं। इनके लिए सरकार से किसी तरह की मान्यता लेने की जरूरत नहीं पड़ती। कोई भी व्यक्ति अगर किसी विषय की बेहतर समझ रखता हो, तो वह कोचिंग शुरू कर देता है। अब तो हर शहर में बहुमंजिला और कई शाखाओं वाले कोचिंग संस्थान खुल गए हैं। जिन संस्थानों के नतीजे थोड़े बेहतर हैं, उनमें दाखिले के लिए भीड़ लगती है। राजस्थान के कोटा में तो कोचिंग संस्थानों का एक अलग शहर ही विकसित हो चुका है। कोचिंग संस्थानों के इस विस्तार में अभिभावकों का भी कम योगदान नहीं माना जा सकता। दसवीं पास करते ही वे अपने बच्चों को इंजिनियरिंग, मेडिकल आदि की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग केंद्रों में दाखिला दिला देते हैं। इस तरह बहुत सारे बच्चों का पंजीकरण तो नियमित स्कूल में होता है, पर वे पढ़ाई के लिए कोचिंग केंद्रों पर जाते हैं। इस पर रोक लगाने के लिए शिक्षा विभाग ने नियम बनाया था कि नियमित कक्षाओं के वक्त विद्यार्थी कोचिंग नहीं ले सकेंगे। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कोचिंग संस्कृति

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने कोचिंग संस्थानों के लिए जो दिशानिर्देश जारी किए हैं, उन पर व्यापक विचार-विमर्श की आवश्यकता है। इसलिए है, क्योंकि यह संभव नहीं जान पड़ता कि इन दिशानिदेर्शों के जारी हो जाने मात्र से कोचिंग संस्थान 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों का प्रवेश लेना छोड़ देंगे या फिर बढ़ा-चढ़ाकर दावे नहीं करेंगे। यदि कोई छात्र 16 वर्ष के पहले आनलाइन कोचिंग करता है तो क्या इसे रोकना संभव होगा? प्रश्न यह भी है कि यदि 16 वर्ष से कम आयु का कोई छात्र कोचिंग की सेवाएं लेना चाहे तो क्या इसे रोकना उचित होगा? यह ध्यान रहे कि अभी तमाम छात्र हाईस्कूल पास करते ही कोचिंग करने लग जाते हैं, क्योंकि उनका लक्ष्य डाक्टर या इंजीनियर बनना होता है। इनमें से कई छात्र 16 वर्ष से कम आयु के होते हैं। देश में कोचिंग ने जिस तरह एक उद्योग का रूप ले लिया है, उसे देखते हुए कोचिंग संस्थानों का नियमन करने की आवश्यकता है, लेकिन इसी के साथ इस पर भी विचार किया जाना चाहिए कि आखिर कोचिंग संस्थान इतनी तेजी से क्यों पनप रहे हैं? क्या इसका एक बड़ा कारण यह नहीं है कि स्कूली शिक्षा ऐसी नहीं रह गई है, जिससे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग संस्थानों की आवश्यकता ही न पड़े। कहीं ऐसा तो नहीं कि स्कूली पाठ्यक्रम वैसा नहीं है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक है? आखिर हमारी स्कूली शिक्षा ऐसी क्यों नहीं हो सकती, जिससे छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग संस्थानों की शरण में न जाना पड़े? एक समय था, जब छात्र बिना कोचिंग के ही मेडिकल और इंजीनियरिंग के साथ अन्य प्रतियोगी परीक्षाएं पास कर लेते थे। धीरे-धीरे बिना कोचिंग ऐसा करना कठिन हो गया। शिक्षा क्षेत्र के नीति-नियंताओं को इसकी तह तक जाना चाहिए कि ऐसा क्यों हुआ? आज तो स्थिति यह है कि सामान्य

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी कोचिंग आवश्यक हो गई है। यही नहीं अब तो प्राइमरी शिक्षा के दौरान भी छात्रों को ट्यूशन लेना पड़ता है। कोचिंग उद्योग ट्यूशन की संस्कृति का विस्तार ही है। जब नई शिक्षा नीति लागू की गई थी, तब यह कहा गया था कि इससे कोचिंग संस्कृति पर विराम लगेगा। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि यह अपेक्षा पूरी होती नहीं दिख रही है। इसका प्रमाण केवल केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से कोचिंग संस्थानों के लिए जारी दिशानिर्देश ही नहीं हैं, बल्कि गली-गली में खुलते जा रहे कोचिंग संस्थान भी हैं। यदि आज प्रत्येक प्रतियोगी परीक्षा के लिए कोचिंग की जरूरत पड़ रही है तो इसका मतलब है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था में कोई बड़ी खामी है। यह समझा जाना चाहिए कि इस खामी को दूर करके ही कोचिंग संस्कृति पर कोई प्रभावी लगाम लगाई जा सकती है। तेजी से बढ़ते कोचिंग संस्थान यही बता रहे हैं कि उनके रूप में एक समानांतर शिक्षा व्यवस्था कायम हो गई है।

।। श्री श्री श्री 1008 पार्श्वनाथाय नमः।।

॥आनन्दोत्सव॥

वात्सल्य रत्नाकर

परम पूज्य आचार्य 108 श्री विमल सागर जी मुनिराज

के अतिशय से अनुप्राणित उनकी अनुपम स्वोपकारी साधना को समर्पित

राजस्थान की धरा का प्रथम गुरु आयतन 'मन्दिर'

श्रीक्षेत्र गुरु शरणं

भव्य भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह

पौष शुक्ल पूर्णमासी –

गुरूवार, 25 जनवरी, 2024

• मध्याह्न 1.15 बजे

पूज्य उपाध्याय 108 श्री ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज

की पावन प्रेरणा से

विधानाचार्य पण्डित श्री मुकेश जी शास्त्री 'मधुर' एवं

वास्तुविद श्री राजकुमार जी कोठ्यारी के मार्गदर्शन में

'श्री समाज' की उपस्थिती में होने जा रहा है,

जिसमे आप सभी सपरिवार इष्ट मित्रो सहित सादर निमंत्रित है.

प्रस्तावित निर्माण प्रारुप :

- श्रीजी जिनालय
- श्री गुरू मन्दिर
- संत निवास
- आहार शाला
- यात्री निवास
- भोजनालय
- सिंह द्वार

गौरवशाली पात्र

समारोह गौरव	ध्वजारोहणकर्ता	मुख्यभूमि पूजनकर्ता	मुख्य शिलान्यासकर्ता	शिलान्यासकर्ता		गुरु आराधना
श्री सुधान्शु कासलीवाल श्रीमती ऋतु कासलीवाल जयपुर	श्री महेन्द्र कुमार गोधा श्रीमती मंजू गोधा जयपुर	श्री ताराचन्द जैन श्री ऋषभ जैन, पुरवई जैन केशव कुमार जैन	श्री भागचन्द जैन श्रीमती रतनदेवी बाकलीवाल (रेवड़ीवाले), जयपुर	श्री नरेश कुमार पापड़ीवाल श्रीमती राजश्री पापड़ीवाल जयपुर	श्री दिनेश कुमार पापड़ीवाल श्रीमती सविता पापड़ीवाल जयपुर	श्री प्रमोद कुमार जैन श्रीमती रुचि जैन गोधा श्योपुर (म.प्र.)

: स्थान :

जयपुर–आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग, खैरवाल मोड,

ग्राम भण्डाना, जिला–दौसा (राजस्थान) 303303

निवेदक :

वात्सल्य रत्नाकर AVS FOUNDATION FOR BETTER HEALTH & EDUCATION

ए वी एस फाउण्डेशन (रजि.)

शिरोमणी संरक्षक

कर्मयोगी भट्टारक चारुकीर्ति स्वामी जी, श्री क्षेत्र श्रवणबेलगोला

पद्मविभूषण धर्माधिकारी डॉ. डी. वीरेन्द्र जी हेगडे

श्रीमान् आर. के. जैन, मुम्बई

संरक्षक :

श्रीमान् शिखर चन्द जी पहाड़िया-मुम्बई • श्रीमान् सुधान्शु जी कासलीवाल-जयपुर

श्रीमान् सुधीर जी जैन-दौसा • श्रीमान् सेठ राजमल जी कोठारी-ऋषभदेव

श्रीमान् सेठ राजमल पंचारी-सावला • श्रीमान् सेठ रायमल बोहरा-केजड़

समन्वयक : आलोक जैन नीमला • राजेन्द्र जैन खैरवाल

विनीत : अखिल भारतीय दिगम्बर जैन समाज

94140-70103, 98870-01900

प्रबन्ध न्यास बोर्ड

ताराचन्द जैन 'स्वीट कैटर्स' अध्यक्ष | नरेश पापड़ीवाल उपाध्यक्ष | सुखानन्द काला महामंत्री | निर्मल कुमार सेठी कोषाध्यक्ष

न्यासी : मनोहर सेठ (सावला) • पद्मालाल देवड़ा-केजड़ (मुम्बई) • जयकुमार जैन (कोटा)

प्रद्युम्न पाटनी (कोटा) • प्रमोद गोधा (श्योपुर) • जे.के.जैन (जयपुर) • सचिन शाह (ईडी.)

मनीष जैन (दिल्ली) • राकेश नीमला (दौसा) • सुनिल साखुनियाँ (जयपुर) • शैलेन्द्र भूपावत (ऋषभदेव)

रमेश पंचोली (ऋषभदेव) • मनीष पंसारी (दौसा)

संजय गोधा 'चीने' (ग्वालियर) • दौलत फागीवाला (जयपुर)

विश्वशांति व सद्भावना की मंगल कामना के साथ जैन मंदिर में हुआ शांतिनाथ विधान

पवित्र मंत्रोच्चारण से गुंजायमान रहा वातावरण

पटना सिटी

हाजीगंज लंगूर गली स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन गुरारा मंदिर में रविवार को विश्वशांति के लिए भगवान शांतिनाथ विधान का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान जिनमंदिर में मंत्रोच्चारण के साथ भक्ति-संगीत के सुर गूंजते रहे। कार्यक्रम स्थल पर शांतिनाथ भगवान के जयकारों से वातावरण गुंजायमान होता रहा। प्रातः 7:30 बजे से शुरू हुई इस विशेष अनुष्ठान में मंगलाचरण पाठ के साथ जिनेन्द्र भगवान का मंगल अभिषेक व शांतिधारा पाठ जैन श्रद्धालुओं ने किया। मीडिया प्रतिनिधि प्रवीण जैन ने बताया कि विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना के साथ शांतिनाथ विधान कर विश्वशांति एवं सद्भावना के लिए मंगल कामना की गई। यह विधान सर्व विघ्न का नाश करने वाला, आत्मशांति का दाता और भव्य जीवों को मुक्ति प्रदाता है। पुण्यार्जक परिवार सिटी चौक निवासी सौभाग्यमल जैन लुहाड़िया द्वारा

आयोजित श्री शांतिनाथ विधान में श्रद्धालुओं ने जगत कल्याण की भावना से मंत्रोच्चारणपूर्वक 120 अर्घ्य समर्पित कर प्रभु की आराधना की। लुहाड़िया ने बताया कि इष्ट वियोग अनिष्ट संयोग आदि असादा कर्मोदय के निमित्त से जीवन में आने वाले दुखों से शांति पाने के लिए यह शांतिविधान किया जाता है। धार्मिक अनुष्ठान में जैन धर्मावलम्बियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। मधुर भजनों की ध्वनि पर श्रद्धालुओं ने भक्ति-नृत्य किया। इसके पश्चात महाआरती का आयोजन किया गया।

आचार्य श्री 105 विद्यासागर जी महामुनि राज के स्वास्थ्य लाभ हेतु की गई शांति धारा

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर ग्राम के नजदीक पवालिया ग्राम जो धोरे वाले बाबा के नाम से प्रसिद्ध है। बताया जाता है कि पवालिया ग्राम में कोई जैन मंदिर नहीं था एक ही परिवार के चार परिवार दर्शन हेतु मांझी रेनवाल जाया करते थे उनकी भक्ति और शक्ति से किसान के खेत से जो सिंचाई का पानी लाव चढ़स से निकाला जाता था उसी के द्वारा 4 इंची की स्फूटीक मूर्ति भगवान नेमिनाथ की अति सुंदर कुएं से बाहर आई जिसको देखकर किसान

को भी आश्चर्य हुआ और उसने गांव के जैन परिवार से महोरी लाल पाटनी को दिखाई ' प्रतिमा जी को देखकर एवं मूर्ति पर शंख का निशान देखकर नेमिनाथ जी की पूर्ति के रूप में उन्होंने उसकी पहचान की और गांव के सभी लोगों के सानिध्य के साथ भगवान की प्रतिमा जी को छोटे से कमरे में विधि विधान से विराजमान कर उसकी नित्य नियम पूजा पाठ चालू की। समय चलता रहा कुछ समय बाद उसी ग्राम में जबरदस्त अकाल और महामारी का प्रकोप से गांव वाले सभी परेशान हो गए और मूर्ति के बारे में विभिन्न तरह की बातें करने लग गए लेकिन पाटनी परिवार ने इसको अपना संबल मानकर एक छोटा सा उपसर्ग समझ कर उसकी पूजा पाठ करते रहे धीरे-धीरे अति शीघ्र सभी समस्याएं समाप्त हुई गांव वालों की आस्था बड़ी और बड़े धूमधाम से पूरे गांव ने मिलकर बहुत बड़ा प्रोग्राम आयोजित किया जिसमें सभी धर्म के लोगों ने सम्मिलित होकर इसका लाभ उठाया। जयपुर में प्रवास के दौरान आचार्य श्री 105 विशद सागर जी महा मुनिराज का संघ के साथ पवालिया ग्राम में प्रवेश हुआ आचार्य श्री ने मूर्ति के दर्शन कर मूर्ति में बहुत चमत्कार बताएं और समाज को तुरंत निर्देश दिया की अति शीघ्र यहां पंचकल्याण करवा कर एक जिन मंदिर की स्थापना करें आचार्य श्री के मार्ग निर्देशन से एवं आशीर्वाद से पदमचंद , महावीर प्रसाद , मूलचंद, दीपचंद समस्त पाटनी परिवार एवं जयपुर के गणमान्य लोगों के सहयोग से भव्य पंचकल्याण प्रारंभ हुआ और जिनालय स्थापित कर 4 इंच की स्फूटीक मूल नायक प्रतिमा 1008 श्री नेमिनाथ भगवान की मूर्ति को मूल वेदी पर एवं अष्टधातु की शांति नाथ भगवान नेमिनाथ भगवान पारसनाथ भगवान और चौबीसी को विराजमान करवाया।

22 जनवरी भूमण्डल में

इंजिनियर अरुण कुमार जैन

शाश्वत पावन धरा अयोध्या,
जन्मे सब भगवान.
कोटि नमन श्री राम.
ऋषभदेव जी आदि ब्रम्हा,
असि, मसि, कृषि का ज्ञान.
कोटि नमन श्री राम.
नाभि, मरुदेवी के कुल में,
जन्मे श्री भगवान.
कोटि नमन श्री राम.
मयार्दा पुरुषोत्तम थे तुम,
श्रेष्ठ गुणों के धाम.
कोटि नमन श्री राम.
विश्वमोहनी प्यारी छवि पर,
मोहित देश -जहान.
कोटि नमन श्री राम.
बाल्यकाल में अवधपुरी के,
रवि -शशि चारों याम.
कोटि नमन श्री राम.
विश्वामित्र संग ऋषि सेवा की,
धर्म वृद्धि के काम.
कोटि नमन श्री राम.
वरण जानकी कर, ले आये,
अवधपुरी में चाँद.
कोटि नमन श्री राम.
राजपाट तज चले थे वन को,
दे तात आज्ञा को मान.
कोटि नमन श्री राम.
कोमल शैया, वैभव छोड़ा,
कंकर, मिट्टी धाम.
कोटि नमन श्री राम.
चौदह वर्ष वनवास बिताये,
दिया रावण मुक्तिधाम.
कोटि नमन श्री राम.
बने अयोध्या के श्री राजा,
चक्रवर्ती सम्राट महान.
कोटि नमन श्री राम.
लव,कुश जैसे वीर पिता श्री,
शूर, वीर बलवान.
कोटि नमन श्री राम.
हर पद में हो श्रेष्ठ, गुणों में,
बुद्धि, बल, गुण धाम.
कोटि नमन श्री राम.
रोम रोम में सदा विराजित,
जन जन के श्री राम.
कोटि नमन श्री राम.
बाबर जैसे नरपिशाच ने,
ध्वंस किया श्री धाम.
कोटि नमन श्री राम.
वर्ष पाँच सौ, कष्ट, वेदना,
क्यों झेली भगवान ?
कोटि नमन श्री राम.
बने अहिल्या प्रस्तर जैसे,
बनी बी. जे. पी. श्री राम.
कोटि नमन भगवान.
अडवाणी,मोदी, योगी संग,
विश्व करे गुणगान.
कोटि नमन श्री राम.
विश्वमोहनी गौरवशाली,
मंदिर बना महान.
कोटि नमन श्री राम.
22 जनवरी भूमण्डल में,
कण कण में श्री राम.
कोटि नमन भगवान.
पुनः दीवाली तीन लोक में,
आलोकित हर याम.
कोटि नमन श्री राम.
प्रेम, नेह, विश्वास, प्रगति,
सेवा, करुणा के काम.
कोटि नमन श्री राम.
सदा प्रेरणा पाएं जन, मन,
प्रगति हर्ष, सम्मान.
कोटि नमन श्री राम.

इंजिनियर अरुण कुमार जैन: अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद, मो 7999469175

एडवोकेट प्रीमियर लीग का शुभारंभ जीवाजी विश्वविद्यालय में हुआ

ग्वालियर, मध्य प्रदेश. शाबाश इंडिया

उच्च न्यायालय अभिभाषक संघ ग्वालियर द्वारा एडवोकेट प्रीमियर लीग का शुभारंभ शनिवार को जीवाजी विश्वविद्यालय खेल परिसर में किया गया। जिसमें पुरुष वर्ग एवं महिला वर्ग की 10 टीम भाग ले रही है महिलाओं का टूर्नामेट 27 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। मुख्य अतिथियों के रूप में उच्च न्यायालय ग्वालियर मध्य प्रदेश के न्यायधीश गण उपस्थित हुए टूर्नामेट में उच्च न्यायालय ग्वालियर मध्य प्रदेश के न्यायाधीश गण सम्मिलित हुए एवं आयोजन की शोभा बढ़ाते हुए टूर्नामेट में सहभागिता कर अधिवक्ताओं की टीमों का उत्साहवर्धन किया। जिसमें मुख्य रूप से न्यायाधीश रोहित आर्या, न्यायाधीश आनंद पाठक, न्यायाधीश मिलिंद रमेश फड़के एवं न्यायाधीश संजीव एस. कालगांवकर उपस्थित रहे। मंच का संचालन संयोजक अंकित वशिष्ठ द्वारा किया गया। टूर्नामेट का टॉस न्यायाधीश रोहित आर्या द्वारा किया गया, टॉस स्व. एच.डी. गुप्ता एकादश टीम और महेश चौरसिया एकादश टीम के बीच हुआ, क्रिकेट टूर्नामेट का प्रथम टॉस स्व. एच.डी. गुप्ता की टीम द्वारा जीता गया एवं टीम ने प्रथम बैटिंग करने का निर्णय लिया। सभी न्यायमूर्तियों ने समस्त टीमों से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया। टूर्नामेट में भारत तिब्बत सहयोग मंच के महामंत्री अर्जुन भैया ने न्यायमूर्ति रोहित आर्य से भेंट की एवं सभी सहभागियों ने खेल का आनंद उठाते हुए खेल में अपनी-अपनी सहभागिता दर्ज कराई। **सम्मान किया गया:** बार एसोसिएशन उच्च न्यायालय ग्वालियर के अध्यक्ष पवन पाठक , सचिव महेश गोयल एवं कार्यकारी सदस्य अंकित वशिष्ठ, महाधिवक्ता उच्च न्यायालय अंकुर मोदी ने न्यायाधीशों का सम्मान किया। अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता मंच की प्रदेश उपाध्यक्ष मोनिका जैन एडवोकेट ने न्यायमूर्ति रोहित आर्या जी का सम्मान किया। महिला टीम महारानी लक्ष्मीबाई एकादश द्वारा न्यायाधीश रोहित आर्या जी का सम्मान किया गया। योगेंद्र भदौरिया, दिलीप पाठक द्वारा अन्य उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया।

जया अग्रवाल: प्रांत मीडिया प्रभारी

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर 48 दीपकों से होगा आदिनाथ स्तोत्र मंडल विधान

जयपुर। 500 वर्ष की गुलामी से मुक्ति,राष्ट्रीय अस्मिता एवं गौरव का प्रतीक अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष में श्री दिगंबर जैन मंदिर शांतिनाथ,सेक्टर-3 मालवीय नगर में सोमवार,22 जनवरी, दोपहर 2:30 बजे से रिद्धि सिद्धि मंत्रों सहित ,मंडल पर 48 दीपकों से आदिनाथ स्तोत्र का भक्ति भाव पूर्वक आयोजन किया जा रहा हैं । सपरिवार उपस्थिति होकर अपनी सहभागिता प्रदान करने की कृपा करें।

रक्तदाताओं का केंद्रीयकृत डाटा बैंक स्थापित करने का प्रस्ताव

रक्तदान जागरूकता नवाचार एवं चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी

जयपुर. शाबाश इंडिया

स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक एवं रक्तदान परिसंघ की ओर से रविवार को रक्त संग्रहण केंद्र जयपुर में 'वर्तमान परिपेक्ष में रक्तदान जागरूकता, नवाचार एवं चुनौतियां' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में जयपुर के समस्त रक्तदान शिविर आयोजनकर्ता संगठनों और उनके प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संगोष्ठी में मूल रूप से प्रस्ताव पास किया गया कि सरकार को रक्तदाताओं का केंद्रीय कृत डाटा बैंक तैयार करना चाहिए, ताकि जरूरतमंद मरीज को विशेष तौर पर रेयर ग्रुप के जरूरतमंद को रक्त उपलब्ध कराने के लिए रक्तदाता यानी डोनर को तुरंत शॉर्टलिस्ट किया जा सके। यह सुझाव संगोष्ठी के मुख्य वक्ता स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के निदेशक एवं राजस्थान हॉस्पिटल के वाइसचेयरमेंन डॉ. सर्वेश अग्रवाल ने रखा।

रक्तदान शिविरों में खत्म हो गिफ्ट कल्चर

डॉक्टर सर्वेश अग्रवाल ने कहा कि सरकार की पहल पर ही यह संभव हो सकता है, जिससे नेगेटिव ब्लड ग्रुप जिसे रेयर ग्रुप की श्रेणी में रखा जाता है को रक्तदाता तुरंत सुलभ किया जा सके। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और मुख्य सचिव कार्यालय में संयुक्त सचिव पद पर कार्यरत डॉक्टर मुकेश शर्मा ने इसके लिए सरकार को विधिवत प्रस्ताव बनाकर भेजने का आग्रह किया। डॉक्टर सर्वेश अग्रवाल ने रक्तदान शिविरों में गिफ्ट कल्चर खत्म करने के प्रयास करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में तहसील स्तर तक रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया।

सतत ताजा रक्त की उपलब्धता के लिए लगें छोटे शिविर

राजस्थान हॉस्पिटल के चेयरमैन और एम्स जोधपुर के अध्यक्ष डॉ. एस एस अग्रवाल ने प्रदेश में रक्तदान शिविरों में निरंतर लाने की बात कही। उन्होंने कहा कि बड़े शिवरों के स्थान पर छोटे-छोटे शिविर लगाए जाएं ताकि रक्त की उपलब्धता सतत बनी रहे। उन्होंने कहा कि चूकि रक्त के घटकों की वैलिडिटी प्लेटलेट्स 5 दिन, आरबीसी 42 दिन और प्लाज्मा 1 साल होती है। ऐसे में उपभोक्ताओं के लिए ताजा रक्त की निरंतर उपलब्धता रह सके।

देश का पहला रक्त संग्रहण केंद्र जयपुर में

इससे पहले स्वागत उद्बोधन में स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के प्रबंध निदेशक आनंद अग्रवाल ने कहा कि देश का प्रथम रक्त संग्रहण केन्द्र जयपुर में स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक की ओर से स्थापित किया गया है, जिसमें कोई भी संस्था निशुल्क रक्तदान शिविर लगा सकती है। इसके लिए केंद्र में समस्त इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि अन्यत्र लगाए जाने वाले शिविर के लिए मानकों के मुताबिक पलंग भी आवश्यकता होने पर रक्त संग्रहण केंद्र उपलब्ध करा सकता है। संगोष्ठी के समापन समारोह में रक्तदान करने वाली संस्थाओं और उनके पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया और रक्तदान के महत्व को बताया गया।

तार-तार होते 'रिश्ते'

शाबाश इंडिया। रिश्तो की डोर परिवार को बांधती है, मित्रता को मजबूत करती है और समाज को संगठित करती है लेकिन आज इस भौतिक युग में रिश्ते तार तार होकर बिखर रहे हैं जिसका मूल कारण रिश्तो को अर्थ के तराजू में तोलना ' आज रिश्तो की कीमत लगाई जा रही है, रिश्तो का बाजारीकरण हो गया है। संकीर्णता एवं स्वार्थ परत मानसिकता ने सामने वाले के स्टेटस और आर्थिक मूल्यांकन के अनुसार रिश्ते निभाए जा रहे हैं ' रिश्तो की अहमियत अब आत्मीयता के स्थान पर आर्थिक स्टेटस संपन्नता बन गई है ' यदि कोई रिश्तेदार कमजोर है या उसके बराबर नहीं है तो उसकी अहमियत नहीं के बराबर रह गई है , उसे नीचा दिखाने की एवं उसे दबाने की स्थिति उत्पन्न कर देते हैं , जबकि रिश्ते ऐसे होते हैं जो कमजोर को ऊपर उठाएं , उनसे मित्रवत व्यवहार करें और उन्हें पूरा सम्मान मिले क्योंकि रिश्ते पैसे के तराजू में तोलने के लिए नहीं होते हैं , आत्मीयता के रिश्ते होते हैं , जिनमें केवल प्रेम होता है , अपना खून होता है ' लेकिन अब यह सब बेईमानी हो गए हैं ' इसीलिए हर व्यक्ति कुंठित भी हो रहा है , दुखी भी हो रहा है ' रिश्ते ऐसे बनाएं जो एक दूसरे के सुख दुख को बांट सके , मददगार बन सके, ऐसे रिश्ते चिरस्थाई होते हैं , लेकिन तराजू में तने वाले रिश्ते कभी भी चूर-चूर हो सकते हैं ' अतः रिश्ते नाजुक ना हो बल्कि गहराई से मजबूत हो तभी रिश्तो की डोर मजबूत बन पाएगी। **-पदमचंद गांधी**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जिला जेल में कैदियों को मिला जनसंत उपाध्याय श्री विरंजन सागर जी मुनिराज का आशीर्वचन

टीकमगढ़. शाबाश इंडिया

जिला जेल टीकमगढ़ मे पूज्य उपाध्याय श्री विरंजन सागर महाराज जी ने केदियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि जब वासुदेव को कंस ने अपनी जेल में रखा था तो वहां पर भी भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लिया था। ऐसे ही जब भक्त जेल में है तो दिगंबर संत भी जेल में दर्शन देने आ गये है। भक्त जब जब भगवान को याद करता है भगवान निश्चय ही भक्त के पास आ जाया करते है। पूज्य श्री की वाणी को सुनकर कई कैदी भाईयों ने शराब, मांसाहार, तंबाकू आदि का त्याग किया और कहा कि जो गलती मेने पूर्व में की है वह गलती हम वर्तमान और भविष्य में कभी नहीं करेंगे अपनी गलती को सुधारेंगे।और एक अच्छा व सच्चा इंसान बनेंगे जिससे हमारे मां बाप का नाम कभी खराब न हो। और इसी के साथ पूज्य श्री ने सभी कैदीयों को मंगल आशीर्वाद देते हुये कहा कि बीज बोने के पूर्व यह देख लेना मैं कौन सा बीज बो रहा हूं तथा इसका फल क्या होगा। इसी तरह कर्म करने की पूर्व यह विचार कर लेना की मैं कौन सा कर्म कर रहा हूं एवं इसका फल क्या होगा कर्म करने के बाद उसके फल में मत रोना क्योंकि आपके द्वारा किए गये कर्म का ही फल है। जिला जेल के जेलर श्री प्रतीक जैन दवारा पूज्य गुरुदेव का पाद प्रक्षालन किया गया एवं पूज्य गुरुदेव को जेल का अवलोकन कराया जेल की व्यवस्था को बताया और पूज्य श्री से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

2200 दीपक से राम लला का संगीतमय भव्य ज्योति उत्सव का होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। ज्योतिनगर स्थित शिव ज्योति पार्क में 22 जनवरी सोमवार को 2200 दीपक से राम लला का संगीतमय भव्य ज्योति उत्सव का आयोजन रखा गया है। आयोजक जे पी बी सोश्यल फाउंडेशन के निदेशक पदम जैन बिलाला व सी ए पारस बिलाला ने बताया कि अयोध्या की पावन भूमि पर श्री राम लला की मंदिर जी में प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर ज्योति नगर पार्क में जैन मंदिर के पास सोमवार को शाम को 6 बजे से 2200 दीपक प्रज्वलित कर संगीत मय भक्ति के साथ भक्त जन को प्रसाद वितरण कर महोत्सव मनाया जायेगा। आयोजन में गरिमामय उपस्थिति विधायक काली चरण सर्राफ, उप महापौर पुनीत कर्णावट, डा. श्याम अग्रवाल, सी ए रोहित रूवातिया आदि की रहेगी। कार्यक्रम में संगीत जीतू गंगवाल एण्ड पार्टी का रहेगा।

रंगारंग कार्यक्रमों से खिल उठा सालाना जलसा 'उमंग'

जयपुर. शाबाश इंडिया

रॉयल इन्टरनेशलन स्कूल का सालाना जलसा 'उमंग' रविवार को रविन्द्र रंग मंच पर रंगारंग कार्यक्रमों के बीच मनाया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का खिलाते हुए उपस्थित दर्शकों को खूब झुमाया। संस्था के संचालक परबिंदर कुमार बिंदल ने बताया कि मुख्य अतिथि राजस्थान पुलिस के डीआईजी शिवराज मीना, विशिष्ट अतिथि एडिशनल कमिशनर ज्ञानप्रसाद मीना,भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, राजस्थान अकाउंट सर्विस सौर ऊर्जा के ललित वर्मा, समाजसेवी राजेन्द्र बलाना व विजय गुप्ता रहे। सभी अतिथियों के स्वागत सत्कार के बाद प्रधानाचार्य ज्योति शर्मा ने विद्यालय के बारे में जानकारी दी। इसके बाद छात्र छात्राओं नें अनेक रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी गई,जिसमें गणेश वंदना, वेलकम सॉग, कालबेलिया नृत्य गीता सार, पंजाबी मैशअप, पंसुरी, सोजा कान्हा जरा...जैसे रोचक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि उन्हें समय का सदुपयोग करते हुए जीवन को सफल बनाना चाहिए इसके बाद मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओ के विजेताओं को मेडल तथा प्रशस्ति प्रमाण-पत्र दिए गए। वार्षिकोत्सव के अवसर पर प्रधानाचार्य ने बताया कि खेलकूद अंतर्गत किक्रेट में छात्र जतिन फौजदार सिक्किम की ओर से अंडर-19 मे तथा सचिन मीणा ने अंडर -14 मे राजस्थान की ओर से प्रतिनिधित्व किया।

श्री वर्धमान स्थानकवासी शीलत सेवा समिति के संघठन का सर्वसम्मति हुआ गठन

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। शीतल सेवा समिति का हुआ गठन।रविवार को दोपहर अहिंसा भवन शास्त्री नगर में शहर के शीतल सम्प्रदांय के सैकडों सदस्यो की मिटिंग आयोजित की गई। जिसमें शीतल सम्प्रदाय के संघठन को एकता के सूत्र बांधने के निर्णय के साथ सभी सदस्यों ने सर्वसहमति से श्रीवर्धमान स्थानकवासी शीतल सेवा समिति का गठन किया और अध्यक्ष हेमन्त आंचलिया महामंत्री सुशील चपलोत कोषाध्यक्ष अमरसिंह धूपिया के साथ समिति के पद पर मीठ्ठालाल सिंघवी,अशोक पोखरना भूपेन्द्रसिंह पंगारिया,लक्ष्मणसिंह बाबेल, अमरसिंह डूगरवाल, ललित बाबेल प्रभाश चौधरी,शांतिलाल पानगड़िया, उमराव सिंह संचेती,दिनेश गौखरू,राजेन्द्रसिंह मारू महावीर बाबेल,मुकेश डांगी, रतनलाल खारिवाल,मानसिंह भंडारी,गिरिष ओस्तवाल, प्रवीण कोठारी, भंवरलाल चौरड़िया आदि पदाधिकारियों के साथ ही युवा संयोजक हेमन्त बाबेल का मनोनीत किया गया। इस दौरान समिति अध्यक्ष हेमन्त आंचलिया महामंत्री सुशील चपलोत भूपेंद्रसिंह पंगारिया अशोक पोखरणा आदि ने विचार व्यक्त किए ।

मुक्तानंद नगर में श्री राम जी की भव्य शोभा यात्रा निकाली

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुक्तानंद नगर विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित रामाभिषेक महोत्सव के अंतर्गत मुक्तानंद नगर में श्री राम जी की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ व उपमहापौर जयपुर नगर निगम ग्रेटर, पुनीत कर्णावट ने रामरथ की रस्सी खींच कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभा यात्रा में कॉलोनी वासी महिला व पुरुषों ने भारी संख्या में भाग लिया। विकास समिति अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि सह सचिव पवन कुमार गुप्ता, प्रवक्ता अनिल कुमार शर्मा, कार्यालय मंत्री मानक चंद जैन व मुख्य संयोजक कुलभूषण बैराठी के संयोजन व मार्गदर्शन में समस्त कॉलोनी वासियों विशेषतः मातृशक्ति के सहयोग व सहभागिता से इस भव्य शोभा यात्रा का आयोजन सफल हुआ।

कलशयात्रा के साथ राम दरबार की शोभायात्रा निकली

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद ।नगर के प्राचीन घासीवाले बालाजी मंदिर में सोमवार को राम दरबार के विग्रहों की होने वाली प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रविवार को ढोल-ढमाकों व बैंड-बाजों के साथ 111 कलशों की महिलाओं की कलशयात्रा व राम दरबार की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा सुभाषगंज अनाज मंडी से प्रारंभ होगा नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई घासीवाले बालाजी मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। जहां हवन किया गया। सायं भजन संध्या का आयोजन हुआ। सोमवार को राम दरबार के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा दोपहर 12:22 बजे से 1:04 बजे के मध्य होगी। प्राण प्रतिष्ठा के बाद हवन, रामयज्ञ व 12:15 बजे महाआरती होगी। सायं 7:15 बजे से सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा।

नावा के लाल विक्रम ने बनाई श्री राम मंदिर की आकर्षक पेंटिंग

16 घंटे की कड़ी मेहनत से विक्रम कुमावत ने की शानदार पेंटिंग तैयार, पेंटिंग की हर कोई कर रहा तारीफ

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया

नावा सिटी । मैं इत्र से महक हूं यह आरजू नहीं आरजू है मेरे किरदार से खुशबू आए एक महान कवि की इन पंक्तियों को चरितार्थ करता नावा का बालक विक्रम कुमावत पुत्र एडवोकेट आनंदी लाल कुमावत जिसने 20 साल की उम्र में शिक्षा के साथ- साथ पेंटिंग में भी अपने हुनर का लोहा मनवाया हर एक शख्स विक्रम की पेंटिंग को देखकर दांतो तले अंगुली दबाता नजर आता है और वाह वाही करते थकता नहीं है विक्रम की पेंटिंग में गजब की कला दिखाई देती है ' प्राप्त जानकारी के अनुसार विक्रम इंग्लिश मीडियम से बीए एलएलबी की शिक्षा जयपुर से ग्रहण कर रहा है ' विक्रम के पिता पालिका उपाध्यक्ष व एडवोकेट आनंदीलाल कुमावत ने बताया बालक को शिक्षा के साथ पेंटिंग का शौक होने से हाल ही में अयोध्या में होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर विक्रम ने 16 घंटे की कड़ी मेहनत से राम मंदिर की एक शानदार पेंटिंग बनाई है जिसे देखकर हर कोई विक्रम की तारीफ करता थकता नहीं दिखाई दे रहा है। इस पेंटिंग को नावा में आयोजित होने वाले प्रोग्राम मे भी सजावट में उपयोग में ली जाएगी।

श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर संपूर्ण क्षेत्र रंगा श्री राम के रंग में...

नावा क्षेत्र में होंगे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित आज, उड़ीसा की तर्ज पर की जाएगी भव्य आतिशबाजी

मनोज गंगवाल.शाबाश इंडिया

नावा सिटी। उपखंड मुख्यालय पर श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर प्रातः 11:00 बजे से लेकर दोपहर 2:00 बजे तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। नगर संयोजक सर्वेश्वर शर्मा से मिली जानकारी के अनुसार श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का सीधा प्रसारण एलईडी के माध्यम से श्री राम बजरंग मंदिर मेंने बाजार नावा सिटी, श्री राधा कृष्ण भगवान का मंदिर जोगियों का आसान, श्री जाल का बालाजी मंदिर वीर प्रताप मोहल्ला, श्री गंगा माता मंदिर पुराना बस स्टैंड, श्री स्टेशन नाडा मंदिर पुरानी रेलवे स्टेशन, श्री शंकर भगवान का मंदिर तहसील के पीछे नावा शहर, श्री नर्वदेश्वर महादेव मंदिर साल्ट कॉलोनी, श्री खेड़ापति बालाजी मंदिर राम लक्ष्मण कॉलोनी, श्री शिव मंदिर गंगासागर रोड, श्री बालाजी मंदिर सीकर रोड, श्री भीवड़ा नाडा बालाजी मंदिर जयपुर रोड, श्री चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर गौरज चौक, श्री मोतीराम बाबा का मंदिर छीपों का मोहल्ला नावा में दिखाया जाएगा ' विभिन्न मंदिरों में श्री राम संकीर्तन, हनुमान चालीसा, सुंदरकांड, यज्ञ आदि अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का

आयोजन किया जाएगा ' कार्यक्रम की श्रृंखला में श्री राम बजरंग मंदिर में महिला मंडलों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा ' प्राप्त जानकारी के अनुसार नावा स्थित पुराने बस स्टैंड पांच बत्ती चौराहे पर श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर विशेष धार्मिक कार्यक्रम शाम 5:30 से 8:30 तक आयोजित किए जाएंगे जिसमें संगीतमय हनुमान चालीसा पठन, भजनामृत कार्यक्रम, भगवान श्री राम का भव्य लाइटिंग शो, राम बनो प्रतियोगिता (13 वर्ष आयु तक के बच्चों द्वारा) श्री राम मंदिर की भव्य प्रतयाकृति, (उड़ीसा की तर्ज पर भव्य आतिशबाजी) की जाएगी ' श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर संपूर्ण शहर दुल्हन की तरह सज रहा है सभी मंदिर सरकारी गैर सरकारी कार्यालय प्रतिष्ठान एवं घरों में रंगोली, फूलों व लाइटिंग से डेकोरेशन इत्यादि किया जा रहा है वहीं बाजार बैनर फरिया झंडिया लाइटिंग की रोशनी आदि से जगमग होता दिखाई दे रहा है। समूचा क्षेत्र भगवान श्री राम के रंग में रंगा हुआ प्रतीत हो रहा है।

दाँतों के नवीन अस्पताल डेन्टल क्लीनिक & RCT center अस्पताल का शुभारम्भ

कोटा. शाबाश इंडिया

आधुनिक खान-पान की वजह से दिनों-दिन दाँतों के बढ़ते हुए मरीजो के उपचार के लिए दाँतों के अस्पताल का विधिवत शुभारम्भ आज कोटा दक्षिण के माननीय विधायक संदीप शर्मा ने किया एवम डॉक्टर अंशुल जैन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉक्टर अंशुल जैन (बी डी एस, एम डी एस एंडोडोंटिक्स) ने राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार को जानकारी देते हुवे बताया कि इस अस्पताल में लेटेस्ट एवम अच्छी गुणवत्ता के साथ रियायती दरों पर इलाज किया जाएगा। पार्श्वमणि ने आगे बताया कि इस मौके पर सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष विमल नांता, कार्याध्यक्ष जे के जैन, डॉक्टर अंकित जैन-डॉ ज्योति जैन, डॉ किरण उदयवाल, डॉ रोहित भाटिया महासभा अध्यक्ष नरेश पांड्या, जैन सोशल ग्रुप कोटा रीजन के अध्यक्ष अनुराग सेठी, राकेश पाटोदी, वर्धमान हेल्प लाइन के अध्यक्ष रवि गोधा, अनिल ठोरा, योगेश सिंघम, राजेन्द्र बज संजय निर्वाण, प्रेम सोगानी, बाबूलाल, अशोक पाटनी, नवीन, अशोक कासलीवाल, मनोज सोनी, हरक चन्द गोधा सचिन जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मानसरोवर में श्री राम संकीर्तन सत्संग संध्या फेरी का अयोजन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव राम की तैयारी में आर्ट ऑफ लिविंग परिवार पूरे जोश से जुटा हुआ है। स्वयं सेवक विभिन्न स्थानों पर राम भजन सत्संगों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज आर्ट ऑफ लिविंग जयपुर परिवार की ओर से 21 जनवरी 2024 की संध्या को मानसरोवर में श्री राम संकीर्तन सत्संग संध्या फेरी का अयोजन किया गया। लगभग 200 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक राम भजन गाते ,नाचते हुए फेरी निकाली।नागरिकों का उत्साह देखते बनाता था छोटी काशी में मानो रामलहर की धूम मची है। कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक और वरिष्ठ आर्ट ऑफ लिविंग प्रक्षिक्षक डॉ सौरभ शेखावत ने अपनी सुरों की लय से सभी राम भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया । कार्यक्रम के आयोजक उत्कर्ष गुप्त एवं अमृषा जीने बताया कि जयपुर वासियों ने इसी कड़ी में 18 जनवरी 2024 को आर्ट ऑफ लिविंग निर्माण नगर सेंटर में राम संकीर्तन सत्संग का अयोजन किया था । आर्ट ऑफ लिविंग स्वयंसेवकों द्वारा 22 जनवरी 2024 को विभिन्न कार्यक्रम होंगे जिनमें आर्ट ऑफ लिविंग के रानीसती नगर में श्री सुंदरकांड पाठ का अयोजन किया जाएगा एवंविवेक विहार ,श्याम नगर।जयपुर क्लब ,महावीर नगर दुर्गा पूरा एवं ओपन एयर थिएटर नेशनल हैंडलूम के पास,विद्याधर नगर में राम भजन सत्संगों का आयोजन किया जाएगा। राजस्थान वासियों के लिए परम सौभाग्य का पल है की गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी कई महत्वपूर्ण सेवा कार्यों का उद्घाटन करने के लिए प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद अयोध्या से जोधपुर पधार रहें हैं ।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मेन का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

धनु कुमार जैन अध्यक्ष, हीरा चन्द बैद सचिव एवं प्रदीप कुमार जैन पाटनी ने कोषाध्यक्ष पद की शपथ ली

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मेन द्वारा आयोजित भव्य नववर्ष मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह में मनोनीत धनु कुमार जैन को अध्यक्ष , हीरा चन्द बैद को सचिव एवं प्रदीप कुमार जैन पाटनी को कोषाध्यक्ष पद पर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के अध्यक्ष राजेश जैन बड़जात्या ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इससे पहले महेंद्र कुमार छाबड़ा ने मंगलाचरण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष डा. राजेन्द्र कुमार जैन ने की निवर्तमान सचिन महेन्द्र कुमार छाबड़ा ने प्रारम्भिक कार्यक्रम का संचालन करते हुए गत मीटिंग की कार्रवाई से सभी को अवगत कराया। ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य महेश चन्द चांदवाड, डा. विनोद शाह , डा.णमोकार जैन, धनु कुमार जैन, हीरा चन्द बैद, प्रदीप कुमार जैन मंचासीन थे। अन्य कार्यक्रमों के बाद में स्वल्पाहार के समय ग्रुप के सभी सदस्यों ने आपस में नववर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।